

श्री प्रफावरार शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न बिलकुल भिन्न था कि राजभाषा अधिनियम जो संसद से स्वीकृत हुआ है उसके अधार पर यहां जो विधेयक हिन्दी में आ उनकी प्रामाणिकता अभी नहीं है, वह केवल अनुवाद मात्र है, तो राजभाषा अधिनियम के अन्तर्गत रहते हुए उस प्रकार के विधेयक उपस्थित हों ऐसी व्यवस्था सरकार कब तक करने जा रही है ?

**Shri C. R. Pattabhi Raman:** It is not as if it is completely absent. Just a little while ago, my colleague Shri Shyam Dhar Misra was finding it difficult to translate some of the technical terms. For instance, take a Bill like the Cotton Cess Bill; some of the terms there are very difficult to translate. So, the delay is only on account of the technical terms, for which no words have yet been found. But otherwise, the Bills are coming.

खाद्य तेलों के लाने ले जाने पर पाबन्दी

†

\*604. श्री विभूति मिश्र :

श्री क० ना० तिवारी :

क्या खाद्य कृषि सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात सरकार ने गुजरात से अन्य राज्यों को खाद्य तेलों के लाने ले जाने पर अब कोई पाबन्दियां लगा दी हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इन पाबन्दियों के कारण अन्य राज्यों में असंतोष विद्यमान है; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

खाद्य कृषि सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में उपसत्री (श्री श्यामधर मिश्र) : (क) जी हां। ये प्रतिबन्ध मूंगफली तथा मूंगफली के तेल पर लागू होते हैं।

(ख) देश में (जिसमें गुजरात भी शामिल है) इस वर्ष मूंगफली के कुल उत्पादन में कमी होने के कारण और गुजरात से निर्यात न होने के कारण गुजरात से बाहर मूंगफली के तेल की कमी रही है और इससे अन्य राज्यों के लिए कठिनाइयां उत्पन्न हो गई हैं।

(ग) भारतीय खाद्य निगम को गुजरात की मण्डियों से स्वीकृत मात्रा में मूंगफली का तेल खरीद कर देश के अन्य भागों को भेजने की स्वीकृति दी गई है। मूंगफली के तेल की मांग को कम करने के लिए वनस्पति उद्योग की आवश्यकता की पूर्ति के लिए अमरीका व रूस से सोयाबीन व मूरजमुखी का तेल खरीदा गया है।

श्री विभूति मिश्र : क्या यह सही है कि गुजरात सरकार ने अपने यहां से तेल पर प्रतिबन्ध इसलिए लगाया है कि गुजरात में खाद्य सामानों की कमी है, वह उन को जो सरप्लस स्टेट्स हैं, उनसे नहीं मिलता है, उस के प्रतिकार के लिए गुजरात सरकार ने इस तरह का प्रतिबन्ध लगाया है ?

श्री श्यामधर मिश्र : श्रीमन्, ऐसे प्रतिकार की कोई उनकी भावना नहीं है। इस विषय पर कई बार उन से बहस हुई है और मैं स्वयं अभी माननीय मंत्री के आदेश से गुजरात गया था। वहां उन से इस पर विचार हुआ। यह बात सही है कि सरकार जो प्रोडक्शन है ग्राउंडनट आयल और ग्राउंडनट सीड का वह सब जगह कम है और गुजरात में भी कम है और इसलिए उनको दिक्कतें स्वयं की भी बहुत काफी हैं। वह सोचते हैं कि उनकी स्वयं की भी दिक्कत बड़ जायेगी अगर वह दूसरी जगहों को भेजेंगे।

श्री विभूति मिश्र : क्या सरकार ऐसा योजना बना रही है कि पिछले दो तीन साल के अन्दर गुजरात से जो-जो स्टेट्स जितना-जितना तेल मंगाते थे, उसी हिसाब से जितना कमी हुई है उस कमी को देखते हुए, उसी मात्रा

में उन सब स्टेट्स को कम कर के यह तेल भेजने का इन्तजाम किया जाये ?

**श्री श्यामधर मिश्र :** श्रीमन्, यह योजना बनाई गई है और इस वर्ष विशेषकर 65 में ड्राउट की वजह से सारे देश में दिक्कत हुई और जहाँ तक उत्पादन बढ़ाने की समस्या है वह ध्यान में लायी गई है . . .

**अध्यक्ष महोदय :** वह तो कहते हैं कि प्रोपोर्शनैटली कम करके जितनी कमी हुई है उसको सारे स्टेट में डिस्ट्रीब्यूट किया जाये और रिड्यूस्ड क्वांटिटी सारे स्टेट्स को दी जाये ।

**श्री श्यामधर मिश्र :** ऐसी कोई योजना नहीं है ।

**अध्यक्ष महोदय :** योजना का सवाल नहीं है । गुजरात जो देता था सारे स्टेट्स को वह मुल क्वांटिटी न दे, प्रोपोर्शनैटली कम कर के दे ।

**श्री श्यामधर मिश्र :** श्रीमन्, 12 हजार टन फूड कारपोरेशन आफ इंडिया को खरीदने को कहा गया । उसने 6 हजार टन खरीदा है । उस में से कहीं किसी स्टेट को दो हजार टन भेजा है, वह संख्या मेरे पास है ।

**श्री क० ना० तिवारी :** गुजरात स्टेट या दूसरी स्टेट्स जो यह प्रतिबन्ध लगा दिया करती हैं अपनी चीजों के ऊपर, मैं यह जानना चाहता हूँ कि हर एक स्टेट स्वतंत्र है प्रतिबन्ध लगाने के लिए या सेंट्रल गवर्नमेंट की कोई अनी मोति है और उसी की मलाह और पश्चिमे से या उधो की राय से यह प्रतिबन्ध लगाया जायेगा और साथ ही साथ इस तेल का इस्तेमाल ज्यादातर कृत्रिम घी में किया

जाता है और यह तेल न मिलने की वजह से कृत्रिम घी का दाम बहुत ज्यादा बढ़ गया है, तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि सरकार ने कौन सा इंतजाम किया है जिससे कि उनको सप्लाय हो जाये और भाव न बढ़ने पावे ?

**श्री श्यामधर मिश्र :** यह सही है कि ग्राइंडनट आयाल और सीड का दाम इस साल बहुत बढ़ गया है, करीब-करीब दुगुना हो गया और उसको लेकर ही मैं ने स्टेटमेंट में दिया है कि अमेरिका से करीब-करीब 35 हजार टन और 16 हजार टन रूम से इस साल मंगाया जा रहा है जिसमें कि वनस्पति की फैक्ट्रियां चल जायें और आयाल की जो कमी है, यह सही है कि इम्पोर्ट, एक जिले से दूसरे जिले या एक प्रान्त से दूसरे प्रान्त को इम्पोर्ट पर जो प्रतिबन्ध लगाया गया है, उसका मुख्य कारण यही है कि अगर भेजे जाते हैं तो प्राइसेज भी बढ़ जाती हैं और उनकी कमी भी दूर नहीं होती इसलिए यह प्रतिबन्ध लगाया है ।

**श्री क० ना० तिवारी :** अध्यक्ष महोदय, मैंने यह पूछा कि हर एक प्रान्त स्वतंत्र है या कि सेंट्रल गवर्नमेंट की पालिसी के मुताबिक ऐसा प्रतिबन्ध लगाते हैं ।

**श्री श्यामधर मिश्र :** स्वतंत्र कोई नहीं है, वह राय से करते हैं ।

**Shri P. R. Patel:** There is a strong opinion in the country that it is because of inter-state restrictions on the movement of foodgrains, oils and other things that all these troubles have arisen. Are Government thinking of removing these restrictions, thus putting an end to bitterness among States?

**Shri Shyam Dhar Misra:** This general question of zones has been answered here by the Minister. This has been remitted to a committee.

They are supposed to give a report very soon about it.

**Shri Jyotsna Chanda:** Have any other States imposed such inter-state restrictions on the movement of edible oils? If so, which are they?

**Shri Shyam Dhar Misra:** To my information, none at all.

**श्री शिवाजी राव देशमुख :** अध्यक्ष महोदय, क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि जब वह गुजरात गये तब उन्हें यह मालूम हुआ कि सौराष्ट्र में काश्तकारों का जो अक्सर मूंगफली उगाते हैं, इतना बड़ा नुकसान हुआ कि सिर्फ उसी वजह से सौराष्ट्र के स्वतंत्र राज्य की मांग की जा रही है ?

**श्री श्यामधर मिश्र :** यह बात मेरे सामने वहां इस शकल में नहीं आयी ।

**श्री हुकम चन्द कडवश्य :** क्या मंत्री महोदय के ध्यान में यह बात आई है कि तिल्ली का तेल और मूंगफली का तेल वहां तीन रुपये किलो है, जब कि दूसरे प्रान्तों में 6 रु० किलो का भाव है । मैं यह जानना चाहता हूं कि यह किस भाव लाया गया है और इसमें सरकार कितना मुनाफा कमायेगी ?

**श्री श्यामधर मिश्र :** ये आंकड़े मेरे पास नहीं हैं कि कितना मंगाया जा रहा है, किस रेट से मंगाया जा रहा है और किस भाव दिया जायगा, इसको आप अलग से पूछें ।

**Shri U. M. Trivedi:** He has not answered the first part of the question. The first part of the question is relating to the prices prevailing in Gujarat and the prices prevailing in other States. What reply has he got?

**Shri Shyam Dhar Misra:** I have the month-end wholesale prices of groundnut oil just before me, for these six places, Rajkot, Hyderabad,

Madras, Bombay, Kanpur and Delhi. In Rajkot the price was Rs. 301; in Hyderabad Rs. 510; in Madras Rs. 493; in Bombay Rs. 530; in Kanpur Rs. 498, and in Delhi Rs. 477.

12.00 hrs.

#### SHORT NOTICE QUESTION

#### Bombing of Demilitarised Zone in Vietnam

**S.N.Q. 15. Shri P. C. Borooah:** Will the Minister of External Affairs be pleased to state Government's reaction to the reported bombing of the demilitarised zone in Vietnam by the U.S. planes, in India's capacity as Chairman of the International Control Commission?

**The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh):** The Government of India are seriously concerned over the reports of violation of the demilitarized zone on both sides of the 17th Parallel in Vietnam especially the bombings by U.S. planes. The International Commission is understood to be considering complaints of such violations received from both sides.

**Shri P. C. Borooah:** Since the USA had welcomed the Indian move for peace in Vietnam as spelt out by the Prime Minister suggesting a Geneva-type meet, and the USSR was also agreeable to it on condition that it was acceptable to Hanoi, may I know whether, in view of the serious turn the Vietnam situation has taken on account of the bombing of the demilitarised zone, Government propose to send any ministerial mission to Hanoi to impress upon Dr. Ho Chi Minh the desirability and feasibility of such a move, and if so, what steps are being contemplated to approach Hanoi in the matter?

**Shri Dinesh Singh:** We are not proposing to send any high level team to Hanoi just now. We are in touch with that Government.

**Shri P. C. Borooah:** Since India is sitting Chairman of the International Control Commission on Vietnam,